Help to Burma to Combat Intrusion by Chinese Troops

3591. SHRI YASHPAL SINGH : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether he has received any report from Burma that some Chinese troops have entered the Eastern Part of Burma ;

(b) if so, whether the Burmese Government have approached for any help ; and

(c) the reaction of Government thereon ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

निर्यात की गई भारतीय वस्तुओं का सम्बन्धित देशों द्वारा अन्य देशों को विक्रय

3592. **श्री रामावतार शर्मा** : क्या **वैदेशिक व्यापार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान चाय मार्केट के बारे में कलकत्ता की प्रसिद्ध चाय अधिकर्ता कम्पनी मैसर्स जे० थामस एण्ड कम्पनी के वर्ष 1968-69 के प्रतिवेदन की ओर दिलाया गया है जिसमें यह कहा गया है कि भारत द्वारा ऐसे देशों को चाय निर्यात करने के फलस्वरूप, जो रुपये में भुगतान स्वीकार करते हैं, देश के चाय निर्यात व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है क्योंकि ये देश भारत से आयात की कोई चाय तथा अन्य वस्तुएं भी किन्हीं अन्य देशों को बेच देते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने भारतीय माल की इस प्रकार की बिक्री (स्विचट्रेड) को रोकने के लिये कोई कार्यवाही की है ; और यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने निर्यात की गई भारतीय वस्तुओं का सम्बन्धित देशों द्वारा अन्य देशों को बेचे जाने के बारे में कोई सर्वेक्षण किया है और यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष निकले हैं ?

वैदेशिक व्यापार मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री राम सेवक) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग). यह एक ऐसा मामला है जिस पर निरंतर अध्ययन किया जा रहा है । व्यापारिक वार्ताओं के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाता है कि रुपया व्यापार देशों को चाय का निर्यात उनकी घरेलू खपत की आवश्यकताओं के अनुरूप हो । कहीं-कहीं उद्यमियों के स्तर पर अन्य देशों को माल भेजने के मामले समय-समय पर सरकार के ध्यान में आये हैं परन्तु उनकी मात्रा नगण्य है ।

भारतीय दालों की मांग

3593. **श्री रामावतार शर्मा** : क्या **वैदेशिक व्यापार** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेशों में भारतीय दालों की मांग बढ़ रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस बात को सुनिश्चित करने के लिये कि विदेशों में भारतीय दालों की मांग में अधिक से अधिक वृद्धि हो, सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है ;

(ग) गत तीन वर्षों में विदेशों को देशवार अब तक कितने मूल्य की दालें निर्यात की गई ; और

(घ) क्या सरकार ने उन राज्यों में दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिये कोई कार्यवाही की है जिनमें मुख्यतः दालों का उत्पान होता है ?

वैदेशिक व्यापार मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री राम सेवक) : (क) और (ख). विदेशों में दलहन की कुछ मांग है । उत्पादन में कमी के कारण, पहले दालों की सीमित मात्रा के ही निर्यात की अनुमति दी जाती थी परन्तु अब उत्पादन बढ़ने से उसमें उत्तरोत्तर वृद्धि की जा रही है ।

(ग) गत तीन वर्षों में किये गये दलहन के बारे में एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता